भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-335

उत्तर दिनांक - 24/07/2024 को दिया गया

यूरेनियम का भंडार

335. श्री अमरा राम

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) सीकर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में खोजे गए यूरेनियम की अनुमानित मात्रा का ब्यौरा क्या है और उन स्थानों के नाम क्या हैं, जहां यूरेनियम के भंडार पाए गए हैं;

(ख) सीकर में यूरेनियम के निष्कर्षण की कार्य योजना का ब्यौरा क्या है; और

(ग) खनन कार्य कब तक शुरू होने की संभावना है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) परमाणु ऊर्जा विभाग की संघटक इकाई परमाणु खनिज अन्वेषण और अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) ने राजस्थान के सीकर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सीकर जिले के भागों में स्थित रोहिल, रोहिल (पश्चिम) और गेराटियन की ढाणी में तीन (03) यूरेनियम निक्षेप स्थापित किए हैं। अब तक, इन निक्षेपों में कुल 11,801 टन (टी) स्वस्थाने यूरेनियम ऑक्साइड स्रोत का अनुमान लगाया गया है, जिसमें रोहिल में 8,813 टन; रोहिल (पश्चिम) में 1,086 टन और गेराटियन की ढाणी में 1,902 टन स्वस्थाने यूरेनियम ऑक्साइड शामिल हैं।

(ख) यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) ने खनन पट्टा प्राप्त करने की प्रक्रिया और अन्य पूर्व-परियोजना गतिविधियां प्रारम्भ की हैं। दिनांक 22.06.2022 को राजस्थान सरकार से आशय पत्र (एलओआई) प्राप्त किया गया है। एलओआई की शर्तों के अनुसार, यूसीआईएल ने परियोजना की पर्यावरणीय मंजूरी के लिए आवेदन किया और दिनांक 23.12.2022 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी) से संदर्भ की शर्तें (टीओआर) प्राप्त की।

टीओआर के अनुसार, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) और पर्यावरण निगरानी योजना (ईएमपी) के लिए डेटा संग्रह और रिपोर्ट तैयार करने का कार्य प्रगति पर है। एलओआई की शर्त को पूरा करते हुए, प्रगतिशील खदान समापन की योजना के साथ खनन योजना को एएमडी द्वारा अनुमोदित किया गया है। राजस्थान के भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनःस्थापन में उचित मुआवजे और पारदर्शिता के अधिकार (आरआरएफसीटीएलएआरआर) नियम-2016 के तहत भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया, 519.56 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण हेतु शुरू की गई है।

पूर्व-परियोजना गतिविधियों के साथ, खनिज लाभकारी संयंत्र के प्रक्रिया मापदंडों को स्थापित करने के लिए एएमडी के स्वामित्व के तहत अन्वेषणात्मक खनन किया जा रहा है। खान और खनिज लाभकारी संयंत्र का निर्माण भूमि के कब्जे और पर्यावरणीय मंजूरी (एमओईएफ और सीसी से) के बाद होगा।

(ग) खनन वर्ष 2030-31 तक शुरू होने की आशा है।

*****